RADHA GOVIND UNIVERSITY
RAMGARH, JHARKHAND

DEPARTMENT OF HINDI

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM CURRICULUM SYLLABUS
FOR B.A. (HONORS) ARTS PROGRAMME
SUBJECT CODE = 01

FOR UNDERGRADUATE COURSE UNDER
RADHA GOVIND UNIVERSITY

Implemented w.e.f.
Academic Session 2018-19 & onwards

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा (HONS) की रूपरेखा

पत्र कोड	पाठ्यक्रम के शीर्षक	पूर्णांक	बाह्य परीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन	कुल क्रे०
	प्रथम सेमेस्टर				
HIN-H-C-101	आदिकाल : इतिहास एवं साहित्य	100	80	20	5+1
HIN-H-C-102	भक्तिकाल : इतिहास एवं साहित्य	100	80	20	5+1
HIN-H-AECC-103	हिंदी काव्य एवं व्याकरण	50	40	10	2
✷ HIN-H-GE-104	आधुनिक काल	100	80	20	5+1
		350			20
	द्वितीय सेमेस्टर				
HIN-H-C-201	रीतिकाल : इतिहास एवं साहित्य	100	80	20	5+1
HIN-H-C-202	आधुनिक काल और साहित्य	100	80	20	5+1
HIN-H-AECC-203	पर्यावरण विज्ञान (विश्वविद्यालय प्रदत्त)	50	40	10	2
✷ HIN-H-GE-204	राजभाषा हिंदी	100	80	20	5+1
		350			20
	तृतीय सेमेस्टर				
HIN-H-C-301	आधुनिक काल और साहित्य	100	80	20	5+1
HIN-H-C-302	आधुनिक काल और साहित्य	100	80	20	5+1
HIN-H-C-303	हिंदी उपन्यास	100	80	20	5+1
✷ HIN-H-GE-304	आधुनिक हिंदी काव्य	100	80	20	5+1
HIN-H-SEC-305	(परिनियम के आलोक में एनेक्चर–1 पृ०–38) में निर्धारित विषयों में से किसी एक का चयन करेंगे। (सूची–1)	50	40	10	2
		450			26
	चतुर्थ सेमेस्टर				
HIN-H-C-401	हिंदी कहानी (सै० एवं व्यावहारिक)	100	80	20	5+1
HIN-H-C-402	हिंदी नाटक	100	80	20	5+1
HIN-H-C-403	हिंदी एकांकी	100	80	20	5+1
✷ HIN-H-GE-404	हिंदी गद्य साहित्य	100	80	20	5+1
HIN-H-SEC-405	(परिनियम के आलोक में एनेक्चर–1 पृ०–38) में निर्धारित विषयों में से किसी एक का चयन करेंगे। (सूची–1)	50	40	10	2
		450			26

पत्र कोड	पाठ्यक्रम शीर्षक	पूर्णांक	बाह्य परीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन	कुल क्रे०
	पंचम सेमेस्टर				
HIN-H-C-501	हिंदी आलोचना	**100**	**80**	**20**	**5+1**
HIN-H-C-502	काव्यशास्त्र	**100**	**80**	**20**	**5+1**
HIN-H-DSE-503 (Gr.-A)	उपन्यास	**100**	**80**	**20**	**5+1**
Or	अथवा				
(Gr.-B)	कहानी				
HIN-H-DSE-504 (Gr.-A)	नाटक	**100**	**80**	**20**	**5+1**
Or	अथवा				
(Gr.-B)	एकांकी				
		400			**24**
	षष्ठ सेमेस्टर				
HIN-H-C-601	जनसंचार	**100**	**80**	**20**	**5+1**
HIN-H-C-602	पत्रकारिता	**100**	**80**	**20**	**5+1**
HIN-H-DSE-603 (Gr.-A)	सूरदास	**100**	**80**	**20**	**5+1**
Or	अथवा				
(Gr.-B)	तुलसीदास				
HIN-H-DSE-604 (Gr.-A)	राष्ट्रभाषा हिंदी	**100**	**80**	**20**	**5+1**
Or	अथवा				
(Gr.-B)	कामकाजी हिंदी				
		400 + 50			**24**
	कुल	**2450 अंक**			**140 क्रे०**

नोट :–

षष्ठ सेमेस्टर के पत्र HIN-H-DSE-603 या HIN-H-DSE-604 की जगह किसी एक में विद्यार्थी लघु शोध–प्रबंध रख सकते हैं। लघु शोध–प्रबंध 100 अंकों का होगा, जिसमें 80 अंक (5 क्रेडिट) प्रबंध लेखन तथा 20 अंक (01 क्रेडिट) मौखिकी हेतु निर्धारित हैं। इसमें उत्तीर्णांक 50 प्रतिशत होगा।

षष्ठ सेमेस्टर में विद्यार्थियों हेतु 50 अंक अतिरिक्त गतिविधियों पर निर्धारित है।

CC = Core Course (मुख्य विषय)

AECC = Ability Enhancement compulsory Course (क्षमता विकास अनिवार्य पाठ्यक्रम)

✴ GE = Generic Elective (वैसे विद्यार्थियों के लिए जो हिंदी प्रतिष्ठा के नहीं अन्य विषयों से प्रतिष्ठा कर रहे हैं)

SEC = Skill Enhancement Course

DSE = Discipline Specific Elective

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

प्रथम सेमेस्टर

विषय कोड – HIN-H-C-101 **कुल अंक – 80 (क्रेडिट–05)**

क्रेडिट – 05 + 01 **आंतरिक मू० – 20 (क्रेडिट–01)**

आदिकाल : इतिहास एवं साहित्य

इकाई I - हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परम्परा, आदिकाल की पृष्ठभूमि – 02 क्रेडिट

इकाई II - आदिकाल : नामकरण, सीमांकन – 01 क्रेडिट

इकाई III - आदिकालीन काव्य प्रवृतियाँ – 01 क्रेडिट

पुस्तक – 1. हिन्दी साहित्य का इतिहास, डॉ० नगेन्द्र, मयूर पेपर बैक्स

2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

इकाई IV - आदिकालीन काव्य – (विद्यापति पदावली) – 01 क्रेडिट

विद्यापति, गीत–1, 2, 3, 4 सं० रामवृक्ष बेनीपुरी, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली

विद्यापति
1. वंदना – नन्दक नन्दन कदम्बेरि.........
2. राधा की वंदना – देख देख राधा रूप अपार....
3. देवी–वंदना – जय–जय भैरवि असुर –भयाउनि......
4. वयः संधि – सैसव जौवन दुहु मिलि गेल........

सामान्य निर्देश/अंक विभाजन :

I. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घण्टे की होगी।

II. प्रश्नपत्र के तीन खंड होंगे जो क्रमशः दीर्घउत्तरीय, लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।

III. दिए गए खण्ड 'क' से दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है।

IV. दिए गए खण्ड 'ख' से दो प्रश्नों (लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक) के उत्तर अपेक्षित हैं।

V. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति) से जुड़ा तीसरा खण्ड 'ग' अनिवार्य होगा।

खण्ड 'क' –	20 X 02 =	40 अंक
खण्ड 'ख' –	10 X 02 =	20 अंक
खण्ड 'ग' – वस्तुनिष्ठ (अनिवार्य)	10 X 02 =	20 अंक
		80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा		15 अंक
उपस्थिति		05 अंक
	कुल	**100 अंक**

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

प्रथम सेमेस्टर

विषय कोड – HIN-H-C-102 | **कुल अंक – 80 (क्रेडिट–05)**

क्रेडिट – 05 + 01 | **आंतरिक मू० – 20 (क्रेडिट–01)**

भक्तिकाल : इतिहास एवं साहित्य

इकाई I -	भक्तिकाल : प्रेरक परिस्थितियाँ, भक्ति आन्दोलन	–	01 क्रेडिट
इकाई II -	काव्य प्रवृत्तियाँ – ज्ञानाश्रयी एवं प्रेमाश्रयी	–	01 क्रेडिट
इकाई III -	काव्य प्रवृत्तियाँ – राम और कृष्ण भक्ति काव्य धाराएँ	–	01 क्रेडिट
इकाई IV -	भक्तिकालीन काव्य – (साहित्य–धारा)	–	02 क्रेडिट

कबीर एवं रहीम के दोहे, ओरिएण्ट ब्लैकस्वान, नई दिल्ली

पुस्तक –
1. हिन्दी साहित्य का इतिहास, डॉ० नगेन्द्र, मयूर पेपर बैक्स
2. भक्ति आंदोलन इतिहास और संस्कृति, कुंवरपाल सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी साहित्य का उद्‌भव और विकास, हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन

सामान्य निर्देश/अंक विभाजन :

I. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घण्टे की होगी।

II. प्रश्नपत्र के तीन खंड होंगे जो क्रमशः दीर्घउत्तरीय, लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।

III. दिए गए खण्ड 'क' से दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है।

IV. दिए गए खण्ड 'ख' से दो प्रश्नों (लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक) के उत्तर अपेक्षित हैं।

V. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति) से जुड़ा तीसरा खण्ड 'ग' अनिवार्य होगा।

खण्ड 'क' –	20 X 02 =	40 अंक
खण्ड 'ख' –	10 X 02 =	20 अंक
खण्ड 'ग' – वस्तुनिष्ठ (अनिवार्य)	10 X 02 =	20 अंक
		80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा		15 अंक
उपस्थिति		05 अंक
	कुल	**100 अंक**

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

प्रथम सेमेस्टर

विषय कोड – HIN-H-AECC-103 — **कुल अंक – 40 (क्रेडिट–1.5)**

क्रेडिट – 02 — **आंतरिक मू० – 10 (क्रेडिट–0.5)**

हिंदी काव्य एवं व्याकरण

इकाई I -	रश्मिरथी – रामधारी सिंह 'दिनकर', उदयाचल प्रकाशन, पटना	–	01 क्रेडिट
इकाई II -	पत्र लेखन, लिंग निर्णय, पर्यायवाची शब्द, अनेक शब्दों के बदले एक शब्द, मुहावरे, लोकोक्तियाँ।	–	0.5 क्रेडिट

सामान्य निर्देश/अंक विभाजन :

I. प्रश्न पत्र की अवधि डेढ़ घण्टे की होगी।
II. प्रश्नपत्र के दो खंड होंगे।
III. दिए गए खण्ड 'क' से दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है।
IV. दिए गए खण्ड 'ख' से पत्र लेखन/व्याकरण प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।

खण्ड 'क' –	10 X 02 =	20 अंक
खण्ड 'ख' – I. – पत्र लेखन	10 X 01 =	10 अंक
II. – पत्र लेखन	05 X 02 =	10 अंक
		40 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा		05 अंक
उपस्थिति		05 अंक
	कुल	**50 अंक**

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

प्रथम सेमेस्टर

विषय कोड – HIN-H-GE-104 | **कुल अंक – 80 (क्रेडिट–05)**

क्रेडिट – 05 + 01 | **आंतरिक मू० – 20 (क्रेडिट–01)**

आधुनिककाल

इकाई I -	हिंदी नाटक का विकास, नाटककार जयशंकर प्रसाद।	–	02 क्रेडिट
इकाई II -	हिंदी उपन्यास का विकास, उपन्यासकार प्रेमचंद।	–	01 क्रेडिट
इकाई III -	हिंदी कहानी का विकास, कहानीकार चन्द्रधर शर्मा गुलेरी।	–	01 क्रेडिट
इकाई IV -	हिंदी निबंध का विकास, निबंधकार आचार्य रामचन्द्र शुक्ल।	–	01 क्रेडिट

पुस्तक –
1. हिन्दी कहानी का विकास, मधुरेश, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिन्दी नाटक उद्भव और विकास, डॉ० दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस
3. हिन्दी निबंध, प्रभाकर माचवे, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

सामान्य निर्देश/अंक विभाजन :

I. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घण्टे की होगी।
II. प्रश्नपत्र के तीन खंड होंगे जो क्रमशः दीर्घउत्तरीय, लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।
III. दिए गए खण्ड 'क' से दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है।
IV. दिए गए खण्ड 'ख' से दो प्रश्नों (लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक) के उत्तर अपेक्षित हैं।
V. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति) से जुड़ा तीसरा खण्ड 'ग' अनिवार्य होगा।

खण्ड 'क' –	20 X 02 =	40 अंक
खण्ड 'ख' –	10 X 02 =	20 अंक
खण्ड 'ग' – वस्तुनिष्ठ (अनिवार्य)	10 X 02 =	20 अंक
		80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा		15 अंक
उपस्थिति		05 अंक
	कुल	**100 अंक**

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

द्वितीय सेमेस्टर

विषय कोड – HIN-H-C-201 **कुल अंक – 80 (क्रेडिट–05)**

क्रेडिट – 05 + 01 **आंतरिक मू० – 20 (क्रेडिट–01)**

रीतिकाल : इतिहास एवं साहित्य

इकाई I -	रीतिकाल का नामकरण और सीमांकन	–	02 क्रेडिट
इकाई II -	प्रेरक परिस्थितियाँ, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि	–	01 क्रेडिट
इकाई III -	रीतिबद्ध, रीतिमुक्त, रीतिसिद्ध काव्य	–	01 क्रेडिट
इकाई IV -	रीतिकालीन काव्य (साहित्य–धारा)	–	01 क्रेडिट

बिहारीलाल का जीवन परिचय एवं दोहे

पुस्तक – 1. हिन्दी साहित्य का इतिहास, डॉ० नगेन्द्र

2. हिन्दी रीति साहित्य, डॉ० भगीरथ मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

सामान्य निर्देश/अंक विभाजन :

I. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घण्टे की होगी।

II. प्रश्नपत्र के तीन खंड होंगे जो क्रमशः दीर्घउत्तरीय, लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।

III. दिए गए खण्ड 'क' से दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है।

IV. दिए गए खण्ड 'ख' से दो प्रश्नों (लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक) के उत्तर अपेक्षित हैं।

V. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति) से जुड़ा तीसरा खण्ड 'ग' अनिवार्य होगा।

खण्ड 'क' –	20 X 02 =	40 अंक
खण्ड 'ख' –	10 X 02 =	20 अंक
खण्ड 'ग' – वस्तुनिष्ठ (अनिवार्य)	10 X 02 =	20 अंक
		80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा		15 अंक
उपस्थिति		05 अंक
	कुल	**100 अंक**

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

द्वितीय सेमेस्टर

विषय कोड – HIN-H-C-202 **कुल अंक – 80 (क्रेडिट–05)**

क्रेडिट – 05 + 01 **आंतरिक मू० – 20 (क्रेडिट–01)**

आधुनिककाल और साहित्य

इकाई I -	आधुनिकता की अवधारणा, प्रेरक परिस्थितियाँ एवं भारतेन्दु युग	–	02 क्रेडिट
इकाई II -	द्विवेदी युग, राष्ट्रीय काव्यधारा	–	01 क्रेडिट
इकाई III -	कर्मवीर–हरिऔध, अन्वेषण–रामनरेश त्रिपाठी, कैकेयी का पश्चाताप–मैथिलीशरण गुप्त	–	01 क्रेडिट
इकाई IV -	पुष्प की अभिलाषा, पर्वत की अभिलाषा–माखनलाल चतुर्वेदी, पूजा गीत, युगावतार बापू–सोहनलाल द्विवेदी	–	01 क्रेडिट

पद्य मंजरी – टी० निर्मला, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

पुस्तक – 1. हिन्दी साहित्य का इतिहास, डॉ० नगेन्द्र

2. कविता भारतेन्दु से द्विवेदी युग, डॉ० संध्या प्रेम, आयुष्मान प्रकाशन, नई दिल्ली।

सामान्य निर्देश/अंक विभाजन :

I. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घण्टे की होगी।

II. प्रश्नपत्र के तीन खंड होंगे जो क्रमशः दीर्घउत्तरीय, लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।

III. दिए गए खण्ड 'क' से दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है।

IV. दिए गए खण्ड 'ख' से दो प्रश्नों (लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक) के उत्तर अपेक्षित हैं।

V. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति) से जुड़ा तीसरा खण्ड 'ग' अनिवार्य होगा।

खण्ड 'क' –	20 X 02 =	40 अंक
खण्ड 'ख' –	10 X 02 =	20 अंक
खण्ड 'ग' – वस्तुनिष्ठ (अनिवार्य)	10 X 02 =	20 अंक
		80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा		15 अंक
उपस्थिति		05 अंक
	कुल	**100 अंक**

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

द्वितीय सेमेस्टर

विषय कोड – HIN-H-AECC-203 | **कुल अंक – 40 (क्रेडिट–1.5)**

क्रेडिट – 02 | **आंतरिक मू० – 10 (क्रेडिट–0.5)**

पर्यावरण विज्ञान

पुस्तक – 1. पर्यावरण अध्ययन, इराक भसधा, ओरिएंट ब्लैक स्वॉन

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

द्वितीय सेमेस्टर

विषय कोड – HIN-H-GE-204 | कुल अंक – 80 (क्रेडिट–05)

क्रेडिट – 05 + 01 | आंतरिक मू० – 20 (क्रेडिट–01)

राजभाषा हिंदी

इकाई I -	हिंदी का उद्भव और विकास।	–	01 क्रेडिट
इकाई II -	हिंदी की बोलियाँ – पूर्वी और पश्चिमी हिंदी।	–	01 क्रेडिट
इकाई III -	राष्ट्रभाषा, राजभाषा और सम्पर्क भाषा के रूप में हिंदी।	–	02 क्रेडिट
इकाई IV -	देवनागरी लिपि का विकास, गुण और दोष।	–	01 क्रेडिट

पुस्तक –
1. राजभाषा हिन्दी, कैलाश भाटिया, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. हिन्दी भाषा, डॉ० हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. हिन्दी भाषा का विकास, आ० देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधा कृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. राष्ट्रभाषा हिन्दी : समस्याएँ और समाधान, देवेन्द्र नाथ, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।

सामान्य निर्देश/अंक विभाजन :

I. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घण्टे की होगी।

II. प्रश्नपत्र के तीन खंड होंगे जो क्रमशः दीर्घउत्तरीय, लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।

III. दिए गए खण्ड 'क' से दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है।

IV. दिए गए खण्ड 'ख' से दो प्रश्नों (लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक) के उत्तर अपेक्षित हैं।

V. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति) से जुड़ा तीसरा खण्ड 'ग' अनिवार्य होगा।

खण्ड 'क' –	20 X 02 =	40 अंक
खण्ड 'ख' –	10 X 02 =	20 अंक
खण्ड 'ग' – वस्तुनिष्ठ (अनिवार्य)	10 X 02 =	20 अंक
		80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा		15 अंक
उपस्थिति		05 अंक
	कुल	**100 अंक**

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

तृतीय सेमेस्टर

विषय कोड – HIN-H-C-301 | **कुल अंक – 80 (क्रेडिट–05)**

क्रेडिट – 05 + 01 | **आंतरिक मू० – 20 (क्रेडिट–01)**

आधुनिककाल और साहित्य

इकाई I -	छायावाद – नामकरण, परिस्थितियाँ, उपलब्धियाँ, प्रवृतियाँ			–	02 क्रेडिट
इकाई II -	प्रगतिवाद – नामकरण, परिस्थितियाँ, उपलब्धियाँ			–	01 क्रेडिट
इकाई III -	पंत, प्रसाद, निराला –	पंत –	ग्रामश्री	–	01 क्रेडिट
		प्रसाद –	हमारा प्यारा भारत वर्ष		
		निराला –	जागो फिर एक बार		
		महादेवी–	जाग तुझको दूर जाना		
इकाई IV -	नागार्जुन – हटे दनुज दल मिटे अमंगल, अकाल और उसके बाद			–	01 क्रेडिट

दिनकर – आग की भीख

त्रिलोचन – काठ की हांडी

काव्य यात्रा – सत्यप्रकाश मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

पुस्तक –
1. हिन्दी साहित्य का इतिहास, डॉ० नगेन्द्र
2. छायावाद, डॉ० नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. समकालीन काव्य'यात्रा, नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

सामान्य निर्देश/अंक विभाजन :

I. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घण्टे की होगी।

II. प्रश्नपत्र के तीन खंड होंगे जो क्रमशः दीर्घउत्तरीय, लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।

III. दिए गए खण्ड 'क' से दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है।

IV. दिए गए खण्ड 'ख' से दो प्रश्नों (लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक) के उत्तर अपेक्षित हैं।

V. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति) से जुड़ा तीसरा खण्ड 'ग' अनिवार्य होगा।

खण्ड 'क' –	20 X 02 =	40 अंक
खण्ड 'ख' –	10 X 02 =	20 अंक
खण्ड 'ग' – वस्तुनिष्ठ (अनिवार्य)	10 X 02 =	20 अंक
		80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा		15 अंक
उपस्थिति		05 अंक
	कुल	**100 अंक**

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

तृतीय सेमेस्टर

विषय कोड – HIN-H-C-302   कुल अंक – 80 (क्रेडिट–05)

क्रेडिट – 05 + 01   आंतरिक मू० – 20 (क्रेडिट–01)

आधुनिककाल और साहित्य

इकाई I -	प्रयोगवाद – परिस्थितियाँ, नामकरण, उपलब्धियाँ और प्रवृत्तियाँ	–	02 क्रेडिट
इकाई II -	नई कविता – परिस्थितियाँ, नामकरण और उपलब्धियाँ	–	01 क्रेडिट
इकाई III -	अज्ञेय – मैं वहाँ हूँ भवानी प्रसाद मिश्र – जाहिल मेरे बाने	–	01 क्रेडिट
इकाई IV -	मुक्तिबोध – भूल गलती सर्वेश्वर दयाल सक्सेना – फसल	–	01 क्रेडिट

पुस्तक : काव्य यात्रा – सत्यप्रकाश मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

पुस्तक –
1. हिन्दी साहित्य का इतिहास, डॉ० नगेन्द्र
2. नई कविता, डॉ० देवराज, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. समकालीन काव्य–यात्रा, नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

सामान्य निर्देश/अंक विभाजन :

I. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घण्टे की होगी।

II. प्रश्नपत्र के तीन खंड होंगे जो क्रमशः दीर्घउत्तरीय, लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।

III. दिए गए खण्ड 'क' से दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है।

IV. दिए गए खण्ड 'ख' से दो प्रश्नों (लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक) के उत्तर अपेक्षित हैं।

V. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति) से जुड़ा तीसरा खण्ड 'ग' अनिवार्य होगा।

खण्ड 'क' –	20 X 02 =	40 अंक
खण्ड 'ख' –	10 X 02 =	20 अंक
खण्ड 'ग' – वस्तुनिष्ठ (अनिवार्य)	10 X 02 =	20 अंक
		80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा		15 अंक
उपस्थिति		05 अंक
	कुल	**100 अंक**

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

तृतीय सेमेस्टर

विषय कोड – HIN-H-C-303 **कुल अंक – 80 (क्रेडिट–05)**

क्रेडिट – 05 + 01 **आंतरिक मू० – 20 (क्रेडिट–01)**

हिंदी उपन्यास

इकाई I -	हिंदी उपन्यास : परिभाषा, स्वरूप और विशेषताएँ	–	02 क्रेडिट
इकाई II -	हिंदी उपन्यास : उद्‌भव और विकास (स्वतंत्रता पूर्व, स्वातंत्र्योत्तर)	–	01 क्रेडिट
इकाई III -	चित्रलेखा – भगवतीचरण वर्मा	–	01 क्रेडिट
इकाई IV -	निर्मला – प्रेमचन्द	–	01 क्रेडिट

पुस्तक –
1. हिन्दी उपन्यास एक अन्तर्यात्रा, रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. उपन्यास का पुनर्जन्म, परमानंद श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली
3. हिन्दी उपन्यास का इतिहास, गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

सामान्य निर्देश/अंक विभाजन :

I. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घण्टे की होगी।

II. प्रश्नपत्र के तीन खंड होंगे जो क्रमशः दीर्घउत्तरीय, लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।

III. दिए गए खण्ड 'क' से दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है।

IV. दिए गए खण्ड 'ख' से दो प्रश्नों (लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक) के उत्तर अपेक्षित हैं।

V. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति) से जुड़ा तीसरा खण्ड 'ग' अनिवार्य होगा।

खण्ड 'क' –	20 X 02 =	40 अंक
खण्ड 'ख' –	10 X 02 =	20 अंक
खण्ड 'ग' – वस्तुनिष्ठ (अनिवार्य)	10 X 02 =	20 अंक
		80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा		15 अंक
उपस्थिति		05 अंक
	कुल	**100 अंक**

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

तृतीय सेमेस्टर

विषय कोड – HIN-H-GE-304 | **कुल अंक – 80 (क्रेडिट–05)**

क्रेडिट – 05 + 01 | **आंतरिक मू० – 20 (क्रेडिट–01)**

आधुनिक हिंदी काव्य

इकाई I -	निराला : भिक्षुक, प्रियतम।	–	02 क्रेडिट
	पंत : भारत माता, ताज।		
इकाई II -	दिनकर : परदेशी।	–	01 क्रेडिट
	बच्चन : बीते दिन कब आने वाले।		
इकाई III -	भवानी प्रसाद मिश्र : गीत फरोश, नागार्जुन – सिंदूर तिलकित भाल।	–	01 क्रेडिट
इकाई IV -	धूमिल : मुनासिब कार्रवाई।	–	01 क्रेडिट
	(साहित्य–धारा, ओरिएण्ट ब्लैकस्वान, नई दिल्ली)		

पुस्तक – 1. कवि समय : निराला से धूमिल तक, डॉ० संध्या प्रेम

2. समकालीन काव्य–यात्रा, नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

सामान्य निर्देश/अंक विभाजन :

I. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घण्टे की होगी।

II. प्रश्नपत्र के तीन खंड होंगे जो क्रमशः दीर्घउत्तरीय, लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।

III. दिए गए खण्ड 'क' से दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है।

IV. दिए गए खण्ड 'ख' से दो प्रश्नों (लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक) के उत्तर अपेक्षित हैं।

V. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति) से जुड़ा तीसरा खण्ड 'ग' अनिवार्य होगा।

खण्ड 'क' –	20 X 02 =	40 अंक
खण्ड 'ख' –	10 X 02 =	20 अंक
खण्ड 'ग' – वस्तुनिष्ठ (अनिवार्य)	10 X 02 =	20 अंक
		80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा		15 अंक
उपस्थिति		05 अंक
	कुल	**100 अंक**

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

तृतीय सेमेस्टर

विषय कोड – HIN-H-SEC-305 | कुल अंक – 40 (क्रेडिट–1.5)

क्रेडिट – 02 | आंतरिक मू० – 10 (क्रेडिट–0.5)

दक्षता विकास (SEC)

परिनियम के आलोक में एनेक्चर–1 (पृ०–38) में निर्धारित विषयों में से किसी एक का चयन करेंगे। (सूची–1)

Annexure-1

Skill Development Couses (Common for All Programmes)

For Honours Degree: (i) Third Semester: Compulsory for All Disciplines

Any one of the following three in a particular college depending upon the facility available:

1. Constitution of India and Human Rights
2. Enviroment and Public Health
3. Computer Applications and Information Techonology

38

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

चतुर्थ सेमेस्टर

विषय कोड – HIN-H-C-401 **कुल अंक – 80 (क्रेडिट–05)**

क्रेडिट – 05 + 01 **आंतरिक मू० – 20 (क्रेडिट–01)**

हिंदी कहानी (सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक)

इकाई I -	हिंदी कहानी : परिभाषा, स्वरूप और विशेषताएँ	–	02 क्रेडिट
इकाई II -	हिंदी कहानी : उद्‌भव और विकास (स्वतंत्रतापूर्व, स्वातंत्र्योत्तर)	–	01 क्रेडिट
इकाई III -	कहानी विविधा (तीन कहानियाँ) – सं० देवी शंकर अवस्थी प्रेमचंद– ईदगाह, चन्द्रधर शर्मा गुलेरी – उसने कहा था जयशंकर प्रसाद – मधुआ	–	01 क्रेडिट
इकाई IV -	कहानी विविधा (दो कहानियाँ) – सं० देवी शंकर अवस्थी विश्वम्भरनाथ शर्मा कौशिक – ताई, चतुरसेन शास्त्री – हल्दी घाटी	–	01 क्रेडिट

पुस्तक –
1. हिन्दी साहित्य का इतिहास, डॉ० नगेन्द्र
2. हिन्दी कहानियाँ : कुछ विचार, विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. प्रेमचंद की कहानियाँ : संवेदना और शिल्प, रामकिशोर शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिन्दी कहानी का इतिहास, गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

सामान्य निर्देश/अंक विभाजन :

I. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घण्टे की होगी।

II. प्रश्नपत्र के तीन खंड होंगे जो क्रमशः दीर्घउत्तरीय, लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।

III. दिए गए खण्ड 'क' से दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है।

IV. दिए गए खण्ड 'ख' से दो प्रश्नों (लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक) के उत्तर अपेक्षित हैं।

V. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति) से जुड़ा तीसरा खण्ड 'ग' अनिवार्य होगा।

खण्ड 'क' –	20 X 02 =	40 अंक
खण्ड 'ख' –	10 X 02 =	20 अंक
खण्ड 'ग' – वस्तुनिष्ठ (अनिवार्य)	10 X 02 =	20 अंक
		80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा		15 अंक
उपस्थिति		05 अंक
	कुल	**100 अंक**

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

चतुर्थ सेमेस्टर

विषय कोड – HIN-H-C-402 **कुल अंक – 80 (क्रेडिट–05)**

क्रेडिट – 05 + 01 **आंतरिक मू० – 20 (क्रेडिट–01)**

हिंदी नाटक (सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक)

इकाई I -	हिंदी नाटक : परिभाषा, स्वरूप और विशेषताएँ	–	02 क्रेडिट
इकाई II -	हिंदी नाटक : उद्भव और विकास (प्रसादपूर्व, प्रसादोत्तर)	–	01 क्रेडिट
इकाई III -	लहरों के राजहंस – मोहन राकेश	–	01 क्रेडिट
इकाई IV -	ध्रुवस्वामिनी – जयशंकर प्रसाद	–	01 क्रेडिट

पुस्तक – 1. मोहन राकेश और उनके नाटक, गिरीश रस्तोगी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. नाटककार जयशंकर प्रसाद, सत्येन्द्र कुमार तनेजा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

सामान्य निर्देश/अंक विभाजन :

I. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घण्टे की होगी।

II. प्रश्नपत्र के तीन खंड होंगे जो क्रमशः दीर्घउत्तरीय, लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।

III. दिए गए खण्ड 'क' से दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है।

IV. दिए गए खण्ड 'ख' से दो प्रश्नों (लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक) के उत्तर अपेक्षित हैं।

V. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति) से जुड़ा तीसरा खण्ड 'ग' अनिवार्य होगा।

खण्ड 'क' –	20 X 02 =	40 अंक
खण्ड 'ख' –	10 X 02 =	20 अंक
खण्ड 'ग' – वस्तुनिष्ठ (अनिवार्य)	10 X 02 =	20 अंक
		80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा		15 अंक
उपस्थिति		05 अंक
	कुल	**100 अंक**

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

चतुर्थ सेमेस्टर

विषय कोड – HIN-H-C-403 | **कुल अंक – 80 (क्रेडिट–05)**

क्रेडिट – 05 + 01 | **आंतरिक मू० – 20 (क्रेडिट–01)**

हिंदी एकांकी (सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक)

इकाई I - हिंदी एकांकी : परिभाषा, स्वरूप और विशेषताएँ – 02 क्रेडिट

इकाई II - हिंदी एकांकी : उद्भव और विकास, नाटक और एकांकी में अंतर – 01 क्रेडिट

इकाई III - स्ट्राइक (भुवनेश्वर), भोर का तारा (जगदीश चन्द्र माथुर), मम्मी ठकुराइन (लक्ष्मी नारायण लाल) – 01 क्रेडिट

इकाई IV - नये मेहमान (उदयशंकर भट्ट), सूखी डाली (उपेन्द्र नाथ अश्क), सीमा रेखा (विष्णु प्रभाकर) – 01 क्रेडिट

पुस्तक –
1. एकांकी सप्तक – चंपा श्रीवास्तव, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. हिन्दी एकांकी, डॉ० सिद्धनाथ कुमार राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी नाटक, बच्चन सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

सामान्य निर्देश/अंक विभाजन :

I. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घण्टे की होगी।

II. प्रश्नपत्र के तीन खंड होंगे जो क्रमशः दीर्घउत्तरीय, लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।

III. दिए गए खण्ड 'क' से दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है।

IV. दिए गए खण्ड 'ख' से दो प्रश्नों (लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक) के उत्तर अपेक्षित हैं।

V. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति) से जुड़ा तीसरा खण्ड 'ग' अनिवार्य होगा।

खण्ड 'क' –	20 X 02 =	40 अंक
खण्ड 'ख' –	10 X 02 =	20 अंक
खण्ड 'ग' – वस्तुनिष्ठ (अनिवार्य)	10 X 02 =	20 अंक
		80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा		15 अंक
उपस्थिति		05 अंक
	कुल	**100 अंक**

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

चतुर्थ सेमेस्टर

विषय कोड – HIN-H-GE-404 **कुल अंक – 80 (क्रेडिट–05)**

क्रेडिट – 05 + 01 **आंतरिक मू० – 20 (क्रेडिट–01)**

हिंदी गद्य साहित्य

इकाई I -	उपन्यास –	जैनेन्द्र – त्यागपत्र	–	02 क्रेडिट
इकाई II -	कहानी –	प्रेमचन्द – पूस की रात	–	01 क्रेडिट
		जयशंकर प्रसाद : गुण्डा		
इकाई III -	निबंध –	हरिशंकर परसाई – समय काटने वाले	–	01 क्रेडिट
		हजारीप्रसाद द्विवेदी – अशोक के फूल		
इकाई IV -	संस्मरण और रेखाचित्र – महादेवी वर्मा – सबिया		–	01 क्रेडिट
		रामवृक्ष बेनीपुरी – बुधिया		

पुस्तक –
1. साहित्य–धारा, ओरिएण्ट ब्लैकस्वान, नई दिल्ली
2. हिन्दी गद्य : विन्यास और विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी साहित्य और संवेदना, डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

सामान्य निर्देश/अंक विभाजन :

I. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घण्टे की होगी।

II. प्रश्नपत्र के तीन खंड होंगे जो क्रमशः दीर्घउत्तरीय, लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।

III. दिए गए खण्ड 'क' से दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है।

IV. दिए गए खण्ड 'ख' से दो प्रश्नों (लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक) के उत्तर अपेक्षित हैं।

V. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति) से जुड़ा तीसरा खण्ड 'ग' अनिवार्य होगा।

खण्ड 'क' –	20 X 02 =	40 अंक
खण्ड 'ख' –	10 X 02 =	20 अंक
खण्ड 'ग' – वस्तुनिष्ठ (अनिवार्य)	10 X 02 =	20 अंक
		80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा		15 अंक
उपस्थिति		05 अंक
	कुल	**100 अंक**

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

चतुर्थ सेमेस्टर

विषय कोड – HIN-H-SEC-405 कुल अंक – 40 (क्रेडिट–1.5)

क्रेडिट – 02 आंतरिक मू० – 10 (क्रेडिट–0.5)

परिनियम के आलोक में एनेक्चर–1 (पृ०–38) में निर्धारित विषयों में से किसी एक का चयन करेंगे। (सूची–II)

Annexure-1

Skill Development Couses (Common for All Programmes)

(II) Fourth semester: One from the following may be chosen may be common for a faculty. (?) The courses may include the following:

1. Entrepreneurship
2. Life skills and Personality Development
3. Human Resource Development
4. Legal Aid and Awareness
5. Indian History, Culture and Diversity
6. Science and Life
7. Banking and Finance
8. Building Mathemathical Ability
9. Capital and Stock Market
10. Vocational skill Development
11. Any other subject to be decided by the Academic council.

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

पंचम सेमेस्टर

विषय कोड – HIN-H-C-501 | **कुल अंक – 80 (क्रेडिट–05)**

क्रेडिट – 05 + 01 | **आंतरिक मू० – 20 (क्रेडिट–01)**

हिंदी आलोचना

इकाई I - हिंदी आलोचना : परिभाषा, स्वरूप और महत्त्व – 02 क्रेडिट

इकाई II - हिंदी आलोचना : उद्भव और विकास (शुक्लपूर्व, शुक्लोत्तर) – 01 क्रेडिट

इकाई III - ऐतिहासिक आलोचना, तुलनात्मक आलोचना – 01 क्रेडिट

इकाई IV - सैद्धांतिक आलोचना, मनोविश्लेषणवादी आलोचना – 01 क्रेडिट

पुस्तक –
1. हिंदी आलोचना : कल और आज, डॉ० केदार सिंह, पुस्तक भवन, नई दिल्ली।
2. हिन्दी आलोचना : दशा एवं दिशा, डॉ० संध्या प्रेम, आयुष्मान पब्लिकेशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी आलोचना के आधार स्तंभ, रामेश्वर खण्डेलवाल/सुरेशचंद्र गुप्त, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

सामान्य निर्देश/अंक विभाजन :

I. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घण्टे की होगी।

II. प्रश्नपत्र के तीन खंड होंगे जो क्रमशः दीर्घउत्तरीय, लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।

III. दिए गए खण्ड 'क' से दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है।

IV. दिए गए खण्ड 'ख' से दो प्रश्नों (लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक) के उत्तर अपेक्षित हैं।

V. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति) से जुड़ा तीसरा खण्ड 'ग' अनिवार्य होगा।

खण्ड 'क' –	20 X 02 =	40 अंक
खण्ड 'ख' –	10 X 02 =	20 अंक
खण्ड 'ग' – वस्तुनिष्ठ (अनिवार्य)	10 X 02 =	20 अंक
		80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा		15 अंक
उपस्थिति		05 अंक
	कुल	**100 अंक**

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

पंचम सेमेस्टर

विषय कोड – HIN-H-C-502 **कुल अंक – 80 (क्रेडिट–05)**

क्रेडिट – 05 + 01 **आंतरिक मू० – 20 (क्रेडिट–01)**

काव्यशास्त्र

इकाई I -	काव्य–लक्षण, काव्य–प्रयोजन, शब्द–शक्ति	–	02 क्रेडिट
इकाई II -	रस–निष्पत्ति, साधारणीकरण	–	01 क्रेडिट
इकाई III -	छंद – दोहा, सोरठा, चौपाई, रोला, कवित्त	–	01 क्रेडिट
इकाई IV -	अलंकार – अनुप्रास, श्लेष, यमक, उपमा, अतिशयोक्ति	–	01 क्रेडिट

पुस्तक – 1. अलंकार मुक्तावली, आ० देवेन्द्रनाथ शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका, योगेन्द्र प्रसाद सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

सामान्य निर्देश/अंक विभाजन :

I. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घण्टे की होगी।
II. प्रश्नपत्र के तीन खंड होंगे जो क्रमशः दीर्घउत्तरीय, लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।
III. दिए गए खण्ड 'क' से दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है।
IV. दिए गए खण्ड 'ख' से दो प्रश्नों (लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक) के उत्तर अपेक्षित हैं।
V. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति) से जुड़ा तीसरा खण्ड 'ग' अनिवार्य होगा।

खण्ड 'क' –	20 X 02 =	40 अंक
खण्ड 'ख' –	10 X 02 =	20 अंक
खण्ड 'ग' – वस्तुनिष्ठ (अनिवार्य)	10 X 02 =	20 अंक
		80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा		15 अंक
उपस्थिति		05 अंक
	कुल	**100 अंक**

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

पंचम सेमेस्टर

किसी एक समूह का अध्ययन अपेक्षित है।

विषय कोड – HIN-H-DSE-503 (Group-A) **कुल अंक – 80 (क्रेडिट–05)**

HIN-H-DSE-503 (Group-B) **आंतरिक मू० – 20 (क्रेडिट–01)**

क्रेडिट – 05 + 01

ग्रुप – 'ए' **उपन्यास (सैद्धांतिक पक्ष)**

इकाई I -	उपन्यास : विशेषता, महत्त्व और भेद	–	02 क्रेडिट
इकाई II -	रेणु – कितने चौराहे	–	01 क्रेडिट
इकाई III -	मन्नू भंडारी – आपका बंटी	–	01 क्रेडिट
इकाई IV -	कृष्णा सोबती – ऐ लड़की	–	01 क्रेडिट

पुस्तक – हिन्दी उपन्यास का इतिहास, गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

सामान्य निर्देश/अंक विभाजन :

I. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घण्टे की होगी।

II. प्रश्नपत्र के तीन खंड होंगे जो क्रमशः दीर्घउत्तरीय, लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।

III. दिए गए खण्ड 'क' से दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है।

IV. दिए गए खण्ड 'ख' से दो प्रश्नों (लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक) के उत्तर अपेक्षित हैं।

V. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति) से जुड़ा तीसरा खण्ड 'ग' अनिवार्य होगा।

खण्ड 'क' –	20 X 02 =	40 अंक
खण्ड 'ख' –	10 X 02 =	20 अंक
खण्ड 'ग' – वस्तुनिष्ठ (अनिवार्य)	10 X 02 =	20 अंक
		80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा		15 अंक
उपस्थिति		05 अंक
	कुल	**100 अंक**

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

पंचम सेमेस्टर

किसी एक समूह का अध्ययन अपेक्षित है।

विषय कोड – HIN-H-DSE-503 (Group-A) **कुल अंक – 80 (क्रेडिट–05)**

HIN-H-DSE-503 (Group-B) **आंतरिक मू० – 20 (क्रेडिट–01)**

क्रेडिट – 05 + 01

ग्रुप – 'बी' **कहानी (सैद्धांतिक पक्ष)**

इकाई I -	कहानी – विशेषता, महत्त्व और भेद		–	02 क्रेडिट
इकाई II -	बंग महिला (राजेन्द्र बाला घोष) – दुलाई वाली	प्रसाद – विराम चिह्न	–	01 क्रेडिट
इकाई III -	प्रेमचन्द – मृतक भोज	यशपाल – समय	–	01 क्रेडिट
इकाई IV -	रेणु – संवदिया	मोहन राकेश – क्लेम	–	01 क्रेडिट

पुस्तक – 1. कथा मंजरी – पुष्पपाल सिंह, ज्ञानदूत, दिल्ली

2. हिन्दी कहानी का इतिहास, गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

सामान्य निर्देश/अंक विभाजन :

I. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घण्टे की होगी।

II. प्रश्नपत्र के तीन खंड होंगे जो क्रमशः दीर्घउत्तरीय, लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।

III. दिए गए खण्ड 'क' से दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है।

IV. दिए गए खण्ड 'ख' से दो प्रश्नों (लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक) के उत्तर अपेक्षित हैं।

V. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति) से जुड़ा तीसरा खण्ड 'ग' अनिवार्य होगा।

खण्ड 'क' –	20 X 02 =	40 अंक
खण्ड 'ख' –	10 X 02 =	20 अंक
खण्ड 'ग' – वस्तुनिष्ठ (अनिवार्य)	10 X 02 =	20 अंक
		80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा		15 अंक
उपस्थिति		05 अंक
	कुल	**100 अंक**

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

पंचम सेमेस्टर

किसी एक समूह का अध्ययन अपेक्षित है।

विषय कोड – HIN-H-DSE-504 (Group-A)
HIN-H-DSE-504 (Group-B)
क्रेडिट – 05 + 01

कुल अंक – 80 (क्रेडिट–05)
आंतरिक मू० – 20 (क्रेडिट–01)

ग्रुप – 'ए' **नाटक (सैद्धांतिक पक्ष)**

इकाई I -	नाटक – तत्त्व, महत्व और भेद	–	02 क्रेडिट
इकाई II -	जगदीश चंद्र माथुर – कोणार्क	–	01 क्रेडिट
इकाई III -	मोहन राकेश – आषाढ़ का एक दिन	–	01 क्रेडिट
इकाई IV -	हरिकृष्ण प्रेमी – रक्षा बंधन	–	01 क्रेडिट

पुस्तक – 1. मोहन राकेश और उनके नाटक, गिरीश रस्तोगी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिन्दी नाटक का आत्म संघर्ष, गिरीश रस्तोगी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

सामान्य निर्देश/अंक विभाजन :

I. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घण्टे की होगी।
II. प्रश्नपत्र के तीन खंड होंगे जो क्रमशः दीर्घउत्तरीय, लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।
III. दिए गए खण्ड 'क' से दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है।
IV. दिए गए खण्ड 'ख' से दो प्रश्नों (लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक) के उत्तर अपेक्षित हैं।
V. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति) से जुड़ा तीसरा खण्ड 'ग' अनिवार्य होगा।

खण्ड 'क' –	20 X 02 =	40 अंक
खण्ड 'ख' –	10 X 02 =	20 अंक
खण्ड 'ग' – वस्तुनिष्ठ (अनिवार्य)	10 X 02 =	20 अंक
		80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा		15 अंक
उपस्थिति		05 अंक
	कुल	**100 अंक**

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

पंचम सेमेस्टर

किसी एक समूह का अध्ययन अपेक्षित है।

विषय कोड – HIN-H-DSE-504 (Group-A)
HIN-H-DSE-504 (Group-B)
क्रेडिट – 05 + 01

कुल अंक – 80 (क्रेडिट–05)
आंतरिक मू० – 20 (क्रेडिट–01)

ग्रुप – 'बी' **एकांकी (सैद्धांतिक पक्ष)**

इकाई I -	एकांकी – परिभाषा, तत्त्व एवं विशेषता	–	02 क्रेडिट
इकाई II -	उदयशंकर भट्ट – पर्दे के पीछे	–	01 क्रेडिट
इकाई III -	विष्णु प्रभाकर – माँ	–	01 क्रेडिट
इकाई IV -	लक्ष्मी नारायण लाल – कालपुरुष और अजंता की नर्तकी	–	01 क्रेडिट

(सात श्रेष्ठ एकांकी – सं०–गंगा प्रसाद, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

सामान्य निर्देश/अंक विभाजन :

I. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घण्टे की होगी।
II. प्रश्नपत्र के तीन खंड होंगे जो क्रमशः दीर्घउत्तरीय, लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।
III. दिए गए खण्ड 'क' से दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है।
IV. दिए गए खण्ड 'ख' से दो प्रश्नों (लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक) के उत्तर अपेक्षित हैं।
V. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति) से जुड़ा तीसरा खण्ड 'ग' अनिवार्य होगा।

खण्ड 'क' –	20 X 02 =	40 अंक
खण्ड 'ख' –	10 X 02 =	20 अंक
खण्ड 'ग' – वस्तुनिष्ठ (अनिवार्य)	10 X 02 =	20 अंक
		80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा		15 अंक
उपस्थिति		05 अंक
	कुल	**100 अंक**

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

षष्ठ सेमेस्टर

विषय कोड – HIN-H-C-601 **कुल अंक – 80 (क्रेडिट–05)**

क्रेडिट – 05 + 01 **आंतरिक मू० – 20 (क्रेडिट–01)**

जनसंचार

इकाई I -	जनसंचार – परिभाषा एवं महत्व	–	02 क्रेडिट
इकाई II -	जनसंचार – स्वरूप एवं विस्तार	–	01 क्रेडिट
इकाई III -	जनसंचार के माध्यम (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया)	–	01 क्रेडिट
इकाई IV -	जनसंचार के माध्यम (प्रिंट मीडिया)	–	01 क्रेडिट

पुस्तक – 1. संचार मीडिया व्यावसायिक पत्र लेखन तथा अनुवाद पाठ्य पुस्तक चयन समिति, लोक भारतीय प्रकाशन, नई दिल्ली।

2. जनसंचार सिद्धांत और अनुप्रयोग, विष्णु राजगढ़िया, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

सामान्य निर्देश/अंक विभाजन :

I. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घण्टे की होगी।

II. प्रश्नपत्र के तीन खंड होंगे जो क्रमशः दीर्घउत्तरीय, लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।

III. दिए गए खण्ड 'क' से दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है।

IV. दिए गए खण्ड 'ख' से दो प्रश्नों (लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक) के उत्तर अपेक्षित हैं।

V. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति) से जुड़ा तीसरा खण्ड 'ग' अनिवार्य होगा।

खण्ड 'क' –	20 X 02 =	40 अंक
खण्ड 'ख' –	10 X 02 =	20 अंक
खण्ड 'ग' – वस्तुनिष्ठ (अनिवार्य)	10 X 02 =	20 अंक
		80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा		15 अंक
उपस्थिति		05 अंक
	कुल	**100 अंक**

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

षष्ठ सेमेस्टर

विषय कोड – HIN-H-C-602 **कुल अंक – 80 (क्रेडिट–05)**

क्रेडिट – 05 + 01 **आंतरिक मू० – 20 (क्रेडिट–01)**

पत्रकारिता

इकाई I -	हिंदी पत्रकारिता – परिभाषा, स्वरूप और महत्व	–	02 क्रेडिट
इकाई II -	हिंदी पत्रकारिता – उद्‌भव एवं विकास (स्वतंत्रता पूर्व, स्वातंत्र्योत्तर)	–	01 क्रेडिट
इकाई III -	समाचार (संकलन–संपादन)	–	01 क्रेडिट
इकाई IV -	पत्रकारिता की प्रकृतियाँ – खेल पत्रकारिता एवं खोजी पत्रकारिता	–	01 क्रेडिट

पुस्तक – 1. हिन्दी पत्रकारिता, पी० लता, लोक भारतीय प्रकाशन, इलाहाबाद।

सामान्य निर्देश/अंक विभाजन :

I. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घण्टे की होगी।

II. प्रश्नपत्र के तीन खंड होंगे जो क्रमशः दीर्घउत्तरीय, लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।

III. दिए गए खण्ड 'क' से दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है।

IV. दिए गए खण्ड 'ख' से दो प्रश्नों (लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक) के उत्तर अपेक्षित हैं।

V. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति) से जुड़ा तीसरा खण्ड 'ग' अनिवार्य होगा।

खण्ड 'क' –	20 X 02 =	40 अंक
खण्ड 'ख' –	10 X 02 =	20 अंक
खण्ड 'ग' – वस्तुनिष्ठ (अनिवार्य)	10 X 02 =	20 अंक
		80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा		15 अंक
उपस्थिति		05 अंक
	कुल	**100 अंक**

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

षष्ठ सेमेस्टर

किसी एक समूह का अध्ययन अपेक्षित है।

विषय कोड – HIN-H-DSE-603 (Group-A)
HIN-H-DSE-603 (Group-B)
क्रेडिट – 05 + 01

कुल अंक – 80 (क्रेडिट–05)
आंतरिक मू० – 20 (क्रेडिट–01)

ग्रुप – 'ए' **सूरदास**

इकाई I -	सूरदास : जीवन और दर्शन	–	02 क्रेडिट
इकाई II -	सूरदास : रचना संसार (रचना वैशिष्ट्य)	–	01 क्रेडिट
इकाई III -	बाललीला – आरंभ के 10 पद	–	01 क्रेडिट
इकाई IV -	भ्रमरगीत – आरंभ के 10 पद	–	01 क्रेडिट
	पुस्तक : सूरसागर – सं० रामचन्द्र शुक्ल, ना०प्र०स०, काशी		

सामान्य निर्देश/अंक विभाजन :

I. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घण्टे की होगी।
II. प्रश्नपत्र के तीन खंड होंगे जो क्रमशः दीर्घउत्तरीय, लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।
III. दिए गए खण्ड 'क' से दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है।
IV. दिए गए खण्ड 'ख' से दो प्रश्नों (लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक) के उत्तर अपेक्षित हैं।
V. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति) से जुड़ा तीसरा खण्ड 'ग' अनिवार्य होगा।

खण्ड 'क' –	20 X 02 =	40 अंक
खण्ड 'ख' –	10 X 02 =	20 अंक
खण्ड 'ग' – वस्तुनिष्ठ (अनिवार्य)	10 X 02 =	20 अंक
		80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा		15 अंक
उपस्थिति		05 अंक
	कुल	**100 अंक**

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

षष्ठ सेमेस्टर

किसी एक समूह का अध्ययन अपेक्षित है।

विषय कोड – HIN-H-DSE-603 (Group-A) **कुल अंक – 80 (क्रेडिट–05)**

HIN-H-DSE-603 (Group-B) **आंतरिक मू० – 20 (क्रेडिट–01)**

क्रेडिट – 05 + 01

ग्रुप – 'बी' **तुलसीदास**

इकाई I -	तुलसीदास : जीवन और दर्शन	–	02 क्रेडिट
इकाई II -	तुलसीदास : रचना संसार (रचना वैशिष्ट्य)	–	01 क्रेडिट
इकाई III -	रामचरितमानस – पुष्प वाटिका प्रसंग	–	01 क्रेडिट
इकाई IV -	कवितावली – आरंभ के 5 पद	–	01 क्रेडिट

सामान्य निर्देश/अंक विभाजन :

I. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घण्टे की होगी।

II. प्रश्नपत्र के तीन खंड होंगे जो क्रमशः दीर्घउत्तरीय, लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।

III. दिए गए खण्ड 'क' से दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है।

IV. दिए गए खण्ड 'ख' से दो प्रश्नों (लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक) के उत्तर अपेक्षित हैं।

V. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति) से जुड़ा तीसरा खण्ड 'ग' अनिवार्य होगा।

खण्ड 'क' –	20 X 02 =	40 अंक
खण्ड 'ख' –	10 X 02 =	20 अंक
खण्ड 'ग' – वस्तुनिष्ठ (अनिवार्य)	10 X 02 =	20 अंक
		80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा		15 अंक
उपस्थिति		05 अंक
	कुल	**100 अंक**

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

षष्ठ सेमेस्टर

किसी एक समूह का अध्ययन अपेक्षित है।

विषय कोड – HIN-H-DSE-604 (Group-A) — **कुल अंक – 80 (क्रेडिट–05)**

HIN-H-DSE-604 (Group-B) — **आंतरिक मू० – 20 (क्रेडिट–01)**

क्रेडिट – 05 + 01

ग्रुप – 'ए' — **राष्ट्रभाषा हिंदी**

इकाई I -	राष्ट्रभाषा और राजभाषा के रूप में हिंदी	–	02 क्रेडिट
इकाई II -	मातृसंपर्क भाषा और राष्ट्रभाषा के रूप में हिन्दी	–	01 क्रेडिट
इकाई III -	देवनागरी लिपि : उद्‌भव–विकास, गुण–दोष	–	01 क्रेडिट
इकाई IV -	देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता और मानकीकरण	–	01 क्रेडिट
	पुस्तक – राजभाषा हिन्दी, कैलाश चंद भाटिया, वाणी प्रकाशन		

सामान्य निर्देश/अंक विभाजन :

I. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घण्टे की होगी।

II. प्रश्नपत्र के तीन खंड होंगे जो क्रमशः दीर्घउत्तरीय, लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।

III. दिए गए खण्ड 'क' से दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है।

IV. दिए गए खण्ड 'ख' से दो प्रश्नों (लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक) के उत्तर अपेक्षित हैं।

V. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति) से जुड़ा तीसरा खण्ड 'ग' अनिवार्य होगा।

खण्ड 'क' –	20 X 02 =	40 अंक
खण्ड 'ख' –	10 X 02 =	20 अंक
खण्ड 'ग' – वस्तुनिष्ठ (अनिवार्य)	10 X 02 =	20 अंक
		80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा		15 अंक
उपस्थिति		05 अंक
	कुल	**100 अंक**

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

षष्ठ सेमेस्टर

किसी एक समूह का अध्ययन अपेक्षित है।

विषय कोड – HIN-H-DSE-604 (Group-A) **कुल अंक – 80 (क्रेडिट–05)**

HIN-H-DSE-604 (Group-B) **आंतरिक मू० – 20 (क्रेडिट–01)**

क्रेडिट – 05 + 01

ग्रुप – 'बी' **कामकाजी हिंदी**

इकाई I -	प्रयोजनमूलक हिंदी : अभिप्राय, क्षेत्र, शैलियाँ और परिस्थितियाँ	–	02 क्रेडिट
इकाई II -	सामान्य हिंदी और प्रयोजनमूलक हिंदी में अंतर	–	01 क्रेडिट
इकाई III -	प्रयोजनमूलक हिंदी : टिप्पणी और पत्र लेखन	–	01 क्रेडिट
इकाई IV -	पारिभाषिक शब्दावली : अभिप्राय, निर्माण की प्रक्रिया और समस्या एवं समाधान	–	01 क्रेडिट

पुस्तक – 1. प्रयोजनमूलक हिन्दी, दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी, विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

सामान्य निर्देश/अंक विभाजन :

I. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घण्टे की होगी।
II. प्रश्नपत्र के तीन खंड होंगे जो क्रमशः दीर्घउत्तरीय, लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।
III. दिए गए खण्ड 'क' से दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है।
IV. दिए गए खण्ड 'ख' से दो प्रश्नों (लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक) के उत्तर अपेक्षित हैं।
V. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति) से जुड़ा तीसरा खण्ड 'ग' अनिवार्य होगा।

खण्ड 'क' –	20 X 02 =	40 अंक
खण्ड 'ख' –	10 X 02 =	20 अंक
खण्ड 'ग' – वस्तुनिष्ठ (अनिवार्य)	10 X 02 =	20 अंक
		80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा		15 अंक
उपस्थिति		05 अंक
	कुल	**100 अंक**

Annexure-1

Skill Development Couses (Common for All Programmes)

For Honours Degree: (i) Third Semester: Compulsory for All Disciplines

Any one of the following three in a particular college depending upon the facility available:

1. Constitution of India and Human Rights
2. Enviroment and Public Health
3. Computer Applications and Information Techonology

(II) Fourth semester: One from the following may be chosen may be common for a faculty. (?) The courses may include the following:

1. Entrepreneurship
2. Life skills and Personality Development
3. Human Resource Development
4. Legal Aid and Awareness
5. Indian History, Culture and Diversity
6. Science and Life
7. Banking and Finance
8. Building Mathemathical Ability
9. Capital and Stock Market
10. Vocational skill Development
11. Any other subject to be decided by the Academic council.